विचित्र मानव आहार

डां. एन. के. बोहरा

मानव अपने आहार के लिए न केवल वनस्पतियों वरन कुछ मांसाहारी जीवों का भी भक्षण करता है। विश्व में कुछ स्थानों पर ऐसे विचित्र खाद्य पदार्थ मानव समुदाय द्वारा खाए जाते हैं जो सामान्यतः नहीं खाये जाते हैं। यहां ऐसी ही कुछ खाद्य सामग्री का उल्लेख किया जा रहा है:

1. चीटियां - बीजिंग के एक प्रसिद्ध रेस्त्रां - लॉगेविटी रेस्त्रां - में शीशम के बीजों के साथ तली हुई कुरकुरी चीटियां परोसी जाती हैं। इस रेस्त्रां के प्रबंधन इन्हें गठिया के रोकथाम में लाभकारी बताते हैं। इसी प्रकार म्यांमार, थाइलैण्ड व पूर्वोत्तर भारत में लाल चींटा (ओइकोफेला स्माइडीना) को पीसकर करी की भांति खाया जाता है। अमरीका के दक्षिण-पश्चिमी विशाल कछार के आदिवासी चीटियां, मधुमक्खी व ततैयों को रुचिपूर्वक खाते हैं।

2. दीमक - भारत, अफ्रीका, थाइलैण्ड तथा आसपास की कुछ जनजातियों में रानी दीमक को यौन शक्तिवर्धक मानकर कच्चा ही खाया जाता है। जबकि कुछ आदिवासी पंखधारी दीमकों को पकड़कर रखते हैं। उनके पंख गिर जाने पर वे उन्हें नमक के साथ तलकर खाते हैं। अफ्रीका में सुखाई हुई दीमक भोजन हेतु बेची जाती है। भारत में रांची की मुण्डा जनजाति में दीमकों की दावत दी जाती है। दीमक वसा, फॉस्फेट तथा पोटाश का उत्तम स्रोत है।

3. टिड्डी - ग्रंथों के अनुसार 3400 वर्ष पूर्व हज़रत मूसा